संजय उइके
विधायक
विधानसभा क्षेत्र क्र. 108, बैहर
जिला-बालाघाट (म.प्र.)

भोपाल निवास-ई 100/20 शिवाजी नगर,
भोपाल, (म.प्र.)
निवासी : वार्ड नं. 19, भिमजोरी,
पोस्ट-बिरसा, तह.-बिरसा,
जिला-बालाघाट (म.प्र.)
फोन नं.-076372-57175

क्रमांकः- 1118/2026-27 दिनांक 28.10.2026

प्रति,

मुख्य सचिव,
मध्य प्रदेश शासन, भोपाल।

आवक शाखा
मुख्य सचिव कार्यालय
मंत्रालय भोपाल

विषयः- बालाघाट जिले के बैहर विधानसभा क्षेत्र में बैगा आदिवासी बच्चों की बीमारी एवं मृत्यु की घटनाओं, कुपोषण के मूल कारणों की जाँच तथा बैगा बहुल ग्रामों के लिए विशेष स्वास्थ्य एवं पोषण कार्ययोजना तैयार किए जाने के संबंध में।

--ooo--

बालाघाट जिले के बैहर विधानसभा क्षेत्र के बैगा आदिवासी बहुल ग्रामों में बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण एवं जीवन सुरक्षा से जुड़ी गंभीर समस्याएँ हैं। क्षेत्र में खसरा Measles, मलेरिया एवं अन्य बीमारियों के कारण **60 बैगा आदिवासी बच्चों की मृत्यु** हुई है। इनमें से अनेक बच्चे कुपोषण से भी प्रभावित थे।

यह स्थिति अत्यंत गंभीर है और इस पर संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई किए जाने की आवश्यकता है। बैगा समुदाय मध्य प्रदेश के विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों PVTG में शामिल हैं। इस समुदाय के बच्चों की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को केवल बीमारी के उपचार तक सीमित करके नहीं देखा जा सकता। इसके लिए कुपोषण के मूल कारणों, परिवारों की आर्थिक स्थिति, खाद्य सुरक्षा, पेयजल, स्वच्छता, स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच, टीकाकरण तथा समय पर उपचार मिलने जैसी परिस्थितियों का समग्र अध्ययन आवश्यक है। यदि किसी क्षेत्र में बच्चे लगातार कुपोषण और संक्रामक बीमारियों से प्रभावित हो रहे हैं, तो यह शासन की जिम्मेदारी है कि वह समस्या के वास्तविक कारणों की पहचान करे और स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप स्थायी समाधान सुनिश्चित करे।

अतः जनहित एवं आदिवासी बच्चों के जीवन की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए निम्नलिखित बिंदुओं पर तत्काल कार्रवाई किए जाने का अनुरोध है।

1. बच्चों की मृत्यु की घटनाओं की उच्चस्तरीय जाँच कराई जाए :-

बैहर विधानसभा क्षेत्र के बैगा आदिवासी बहुल ग्रामों में बच्चों की मृत्यु की घटनाओं की प्रदेश स्तर से उच्चस्तरीय जाँच कराई जाए। जिसमें पोषण आहार वितरण, टीकाकरण, मलेरिया रोकथाम, स्वास्थ्य सेवाओं, पेयजल की गुणवत्ता, अथवा अन्य शासकीय दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही की जाँच भी शामिल की जाए।

2. कुपोषण के मूल कारणों का वैज्ञानिक एवं सामाजिक परिस्थितियों का गुणात्मक अध्ययन कराया जावे :-

कुपोषण केवल पर्याप्त भोजन नहीं मिलने की समस्या नहीं है। इसके पीछे गरीबी, खाद्य असुरक्षा, संक्रमण, स्वच्छ पेयजल की कमी, स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँच में कठिनाई, मातृ स्वास्थ्य तथा बच्चों की देखभाल से जुड़ी अनेक परिस्थितियाँ हो सकती हैं।

संजय उइके
विधायक
विधानसभा क्षेत्र क्र. 108, बैहर
जिला-बालाघाट (म.प्र.)

भोपाल निवास-ई 100/20 शिवाजी नगर,
भोपाल, (म.प्र.)
निवासी : वार्ड नं. 19, भिमजोरी,
पोस्ट-बिरसा, तह.-बिरसा,
जिला-बालाघाट (म.प्र.)
फोन नं.-076372-57175

क्रमांकः-

दिनांक.....

अतः संबंधित विभागों के समन्वय से बैगा बहुल ग्रामों में कुपोषण के कारणों का विस्तृत अध्ययन कराया जाए।

3. बालाघाट जिले के समस्त नक्सल प्रभावित क्षेत्र रहे उन क्षेत्रों को भी विशेष विकास योजनाओं में शामिल किया जावे :-

बालाघाट जिले को नक्सलमुक्त घोषित किए जाने के पश्चात केवल 100 ग्रामों के विकास हेतु विशेष योजनाएँ बनाए जाने की बात सामने आ रही है। लेकिन बालाघाट जिले का नक्सल प्रभाव केवल इन 100 ग्रामों तक सीमित नहीं रहा है। जिले के अन्य क्षेत्रों ने भी लंबे समय तक नक्सलवाद के प्रभाव के कारण विकास संबंधी चुनौतियों का सामना किया है।

ऐसी स्थिति में विकास योजनाओं का लाभ केवल इन 100 ग्रामों तक सीमित रखना पर्याप्त नहीं होगा। अतः बालाघाट जिले के समस्त ग्रामीण, आदिवासी, वनांचल एवं पूर्व में नक्सल प्रभावित रहे क्षेत्रों को भी इन विशेष विकास योजनाओं में शामिल किया जाना चाहिए, ताकि संपूर्ण जिले में समावेशी एवं समान विकास सुनिश्चित किया जा सके।

4. बैगा जनजाति के बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण एवं समग्र विकास हेतु कार्य योजना की स्वीकृति दी जावें :-

बालाघाट जिले को नक्सलमुक्त घोषित किए जाने के पश्चात ग्रामों के विकास हेतु विशेष योजना बनाए जाने की पहल की जा रही है। ठीक है लेकिन जब नक्सलमुक्त ग्रामों के विकास के लिए विशेष योजना बनाई जा सकती है, तो विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह (PVTG) के अंतर्गत आने वाली बैगा जनजाति के बच्चों की मृत्यु की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए उनके स्वास्थ्य, पोषण, सुरक्षा एवं समग्र विकास के लिए विशेष कार्ययोजना क्यों नहीं बनाई जा रही है? शासन से अपेक्षा है कि बैगा जनजाति के बच्चों की मृत्यु के कारणों की निष्पक्ष जाँच कराई जाए तथा प्रभावित ग्रामों की वास्तविक आवश्यकताओं के आधार पर विशेष स्वास्थ्य एवं पोषण कार्ययोजना तैयार कर उसका समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए।

5. बैगा जनजाति का बेस लाइन सर्वे कराया जावें :-

बालाघाट जिले में निवासरत विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह (PVTGs), विशेषकर बैगा जनजाति की आर्थिक, सामाजिक एवं शैक्षणिक स्थिति का व्यापक बेसलाइन सर्वेक्षण कराया जाए।

बैगा आदिवासी बच्चों का जीवन, स्वास्थ्य एवं पोषण सुनिश्चित करना शासन की अत्यंत महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। यदि बच्चों की मृत्यु और कुपोषण की समस्याओं के पीछे खाद्य असुरक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं की कमी, संक्रमण, पेयजल की समस्या अथवा अन्य सामाजिक-आर्थिक कारण हैं, तो उन सभी कारणों की पहचान करके उनका समाधान किया जाना चाहिए।

मेरा मानना है कि ऐसी गंभीर स्थिति में केवल तात्कालिक उपचार या सामान्य स्वास्थ्य शिविर पर्याप्त नहीं होंगे। इसके लिए वास्तविक तथ्यों पर आधारित जाँच, विभागीय जवाबदेही, पर्याप्त संसाधन तथा स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप विशेष कार्ययोजना आवश्यक है।

संजय उइके
विधायक
विधानसभा क्षेत्र क्र. 108, बैहर
जिला-बालाघाट (म.प्र.)

भोपाल निवास-ई 100/20 शिवाजी नगर,
भोपाल, (म.प्र.)
निवासी : वार्ड नं. 19, भिमजोरी,
पोस्ट-बिरसा, तह.-बिरसा,
जिला-बालाघाट (म.प्र.)
फोन नं.-076372-57175

क्रमांकः-

दिनांक.....

अतः आपसे अनुरोध है कि बालाघाट जिले के बैहर विधानसभा क्षेत्र के बैगा आदिवासी बहुल ग्रामों में बच्चों की मृत्यु एवं कुपोषण की समस्या का गंभीरता से संज्ञान लेते हुए उच्चस्तरीय जाँच कराने, प्रभावित परिवारों को आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने तथा बैगा बहुल ग्रामों के लिए विशेष स्वास्थ्य, पोषण, पेयजल एवं सामाजिक सुरक्षा कार्ययोजना तैयार कर समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने हेतु संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश प्रदान करने का कष्ट करें।

मुझे विश्वास है कि शासन इस गंभीर विषय पर संवेदनशीलता से विचार करते हुए आवश्यक कार्रवाई करेगा, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की रोकथाम की जा सके तथा बैगा आदिवासी बच्चों को स्वस्थ एवं सुरक्षित जीवन का अवसर मिल सके।

संजय उइके
विधायक 108 बैहर
जिला बालाघाट (म.प्र.)